



GOSWAMI GANESH DUTT SANATAN DHARAM COLLEGE, PALWAL, 121102, HARYANA

(NAAC ACCREDITED "A" GRADE
WELCOME TO SC/ST/BC CELL

The Special Cell for Scheduled Castes and Scheduled in college has been established under the directions of University Grants (UGC). After Commission the establishment of the Cell in the college, it specifically concentrated on the welfare of the SC/ST/BC Students. The main aim of the Cell is to monitor the guidelines issued by the University Grants Commission and by the government of Haryana from time to time. The Cell ensures the effective implementation of the reservation policies admissions in various courses, accommodation in the hostels, appointments to the teaching and nonteaching posts and maintenance of roster register in the college.





To be an institution of excellence in higher education that continually responds to the changing social realities through the development and application of knowledge, towards creating social equality in the society that promotes and protects the Name of the colleges, dignity, equality, social justice and human rights for all, with special emphasis on marginalised communities.

OBJECTIVES

- ❖ To implement the reservation policy for SC/STs in the college.
- ❖ Collect data regarding the implementation of the policies in respect of admissions, appointments of teaching and non-teaching positions in the college, and analysis of the data showing the trends and changes towards fulfilling the required quota.
- ❖ To take such follow up measures for achieving the objectives and targets laid down for the purpose by the Government of India and the UGC.
- ❖ To implement and monitor the State Government Reservation Policy in the college and ensuring effective implementation of the policies, programmers and Schemes of the Government.

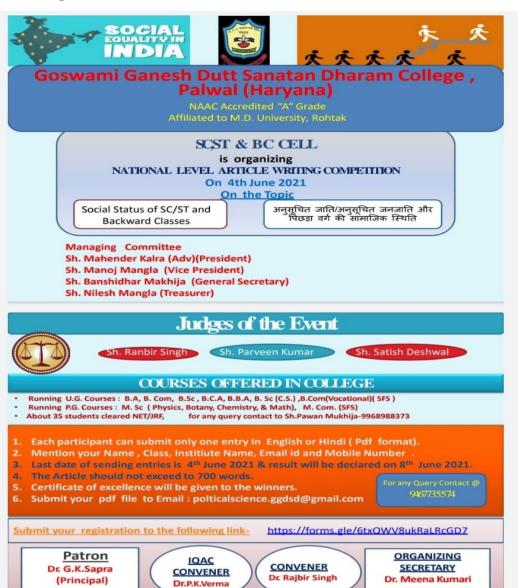
FUNCTIONING OF SC/ST/BC CELL

- To deal with representations received from Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates regarding their admission, recruitment, promotion and other similar matters in Universities, Institutions and Colleges.
- Monitor the working of the remedial coaching scheme.
- Function as a Grievances Redressal Cell for the grievances of SC/ST students render them necessary help in solving their academic as well as administrative problems.
- Maintain a complaint register for grievances of the students and employees belonging to SC/ST community, and any other work assigned from time to time to promote higher education among these communities suffering social, economic and educational deprivations.

S.no	Names	Designation
1.	Dr. Rajbir Singh	Convener
2.	Dr. Meena Kumari	Member
3.	Sh. Parveen Kumar	Member

NATIONAL LEVEL ARTICLE WRITING COMPEITION

online national level 'Article Writing Competition' on "Social Status of Scheduled Castes, Tribes and Backward Classes in India" on 4th June, 2021 'was organized whose results were declared today on June 5, 2021. Convenor of this competition Dr. Rajveer Singh, President-College Political Science Department said that 30 from all participants the over country participated in the competition. After in-depth analysis of the jury, Sartaj Singh, MA student of Political Science Department, Panjab University, Chandigarh secured first position, position was held by Aman (MSc Physics) of JC Bose YMCA University, Faridabad and third position was secured by Saraswati Mahila Mahavidyalaya. Sakshi, a first year BA student of Palwal, secured third position. The judges of the competition were played by Mr. Ranbir Singh, Mr. Praveen Kumar and Mr. Satish Deshwal.



ACTIVITY PERFORMED BY STUDENTS

विचारों की आज़ादी:मजबूत लोकतंत्र का आधार

ंजनता का,जनता के लिए,जनता द्वारा वासवा - पीस दार्थिंगिक क्लोजोन द्वारा परिभाषित और अठारहवीं शताब्दी में अमेरिकी राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन द्वारा दोहराई गई लोकतंत्र की यह परिभाषा बायाद हीं किसी को ना मानूम हो।दुनिया में सबसे पहले लोकतंत्र आयीग ग्रीस के एयेंस शहर में प्रचलित हुआ जातां लोग प्रत्यक्ष रूप से निर्णय लेने में भागीदार बने किन्तु इस प्रत्यक्ष लोकतंत्र से जयात्रतर लोग को बातर रखा गया जिसमें महिलाएं, व्याना आदि शामित्य चित्र पांच गुलीन,ताकतवर और विशिष्ट बर्ग ही प्रत्यक्ष लोकतंत्र का वाहक बना।भारतीय दृष्टिकोण से बोद्ध थर्म के अन्तर्तात सोला महाजनपद में चिवारतील लोकतंत्र की पुरुक्ता हुई हासाधारा शब्दों में विचार-विमर्श या सर्वसम्मति से निर्णय लेना।आपृनिक लोकतंत्र की पुरुक्ता हुई साधाराण शब्दों में विचार-विमर्श या सर्वसम्मति से निर्णय लेना।आपृनिक लोकतंत्र की प्रने मानित के कि से खा जा सरकता है।इंग्लैंड की रक्तहैन गौरवपूर्ण क्रांति ने यह सुनिश्चित किया कि प्रचासकीय नीति एवम् राज्य को चलाने के लिए संसद की स्वीकृति होनी चाहिए।फांधीशी क्रांति क्रांति का विस्ता का अस्तुत्व का नात्र पृरि बिश्च को प्रमोत्यित किया और तजानीति में आपृत्रकृत्व परिवर्तन का कारण बना।असरीकी क्रांति ने लेकप्रमुख के सिस्तुता का पोषण किया।और इस तरह तमाम समागिठक,राजनीतिक उचल-पुरुव के सिस्तुता का पोषण किया।और इस तरह तमाम

आज दुनिया के तकरीबन सभी देव लोकतांत्रिक होने का दावा करते हैं।इसका कारण लोकतंत्र में निहित अभिव्यक्ति की आजादी है विवादयों की स्वतंत्रता के बगैर लोकतंत्र बखेखला और दिखावटी किसी वस्तु के समान है।दुनिया के विभिन्न देवों में महा के नागरिकों को मौलिक अधिकार दिया गया है।आरत के संविधान के भाग ॥॥ में मौलिक अधिकारों का उल्लेख किया गया है।जिसमें समानता का अधिकार,व्यक्ति का अधिकार किया का अधिकार क्षेत्रक स्वतंत्रता का अधिकार,व्यक्ति का का अधिकार क्षायक्ति स्वतंत्रता का अधिकार क्षायक्ति स्वतंत्रता का अधिकार तथा संवैधानिक उपचारों का अधिकार संविधान के अनुख्छेद 19-22 में स्वतंत्रता का अधिकार दिया गया है।जिसमें अनुख्छेद 19-22 में स्वतंत्रता का अधिकार दिया गया है।जिसमें अनुख्छेद स्विधान कि क्षायक्ति होने संलेकर ऐस्त की आज़ाद्दी दिवार का भागित है।

कोई भी देश किराना लोकसानिक, है ये वहां कि प्रेस को देख कर समझा जा सकता है। आए परकार सवाल पूछने से घबरा रहा है, कोई खबर चलाने में उसके अंदर इर बैठा है या फिर सत्ताधीशों के गोद में लोटपोट रहा है तो समझिए लोकतंत्र खतरें में है। पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता के साथ सत्ता कैसी सलूक कर रही है। यह बातें लोकतंत्र में काफी मायने रखती है। असहमति का आवाज़ां को दाना, पियक को खबर करना, मीडिया को खरीद लेगा, आदीलन को किसी भी तरह कुचलने का प्रयास करना, सामाजिक कार्यकर्ताओं को जेल में डालना यह दिखाता है कि सत्ता तानाशाह के हाथों जा कुकता है। 'समाजिक तोर पर तनाशही का जन्म लोकतंत्र से ही होता है, और निरंकुशता व गूलामी का सबसे चरम रूप सबसे स्वचंद्र आजादी से जन्म लेता है।'-पढ़ कपन गीस के महान दार्शनिक लोटी की है। अतत. देश के तमाम गागिरक को यह बात समझना

होगा कि आपके निर्णय से चुनी हुई सरकार निरंकुश ना हो जाए।जनता से रूबरू हो,कठिन सवालों का जवाब दे तथा विपक्ष का सम्मान करे व असहमत आवाज़ों को स्वीकार कर निर्णायक मोड़ पर पहुँचे।

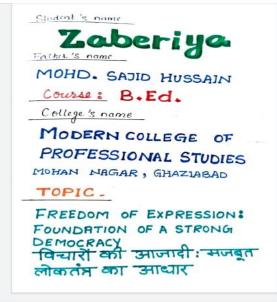
भगात सिंह का कहना था 'जो चीज आज़ाद विचारों को बदांबत नहीं कर सकती उसे समापत हो जाना चाहिए। 'आज के परिक्षेश में भगत विंह को याद करना, उनके विचारों को समझना, अपने अंदर डालना समय की मांग बन चुका है।गैर कानूनी गतिविधि अधिनियम का गलत इस्तेमाल कर सरकार एक्टिविस्ट को,गिश्व विचार रखने तथा असहमति जाहिर करने वाले लोगों को जेल में डाल रही हारही हुसते जोर सांप्रताहित हिसा पहुकता ने वाले लोग खुलेआप पूम रहें हैं। हारहा तक कि सत्ता के शिखर पर भी काबिज ही रहें हैं।आए दिन भीड़ हत्या,दंगा-फसाद की खबरें आती रहती है।लोकतंत्र को भीड़तंत्र होने से बचाना होगा।महास्ता गांधी का कहना था - 'सच्चा लोकतंत्र किसी एक केंद्र में बीस आदिमयों के मिल बैठने से नहीं चलाया जा सकता। इसे गीचे से काम करना थाहिए,खोल का संचालना गांचा के लोगों हारा खुट से होने सह का संचालना गांचा के लोगों हारा खुट से होना चाहिए। इस कहत हमें लोकतांत्रिक समाज मिर्पण करने की आवध्यकता है।सबसे पहले व्यक्ति को खुट लोकतांत्रिक होना होगा,इसे के विचारों का समाज नजर होगा लोहन संचार वाजित कर समाज लो लोकतांत्रिक होगा हमार की जिम्मेवारों हम सब की है और तब जा कर समाज में होने वाली राजनीति लोकतांत्रिक होगा हमार

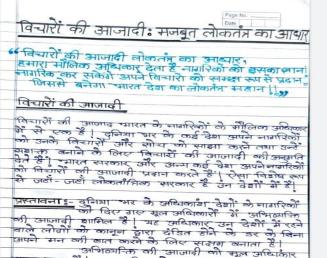
विचारों कि आज़ादी एक मजबूत लोकतंत्र के लिए अत्यावश्यक है।विचारों की स्वतंत्रता के बगैर लोकतंत्र की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

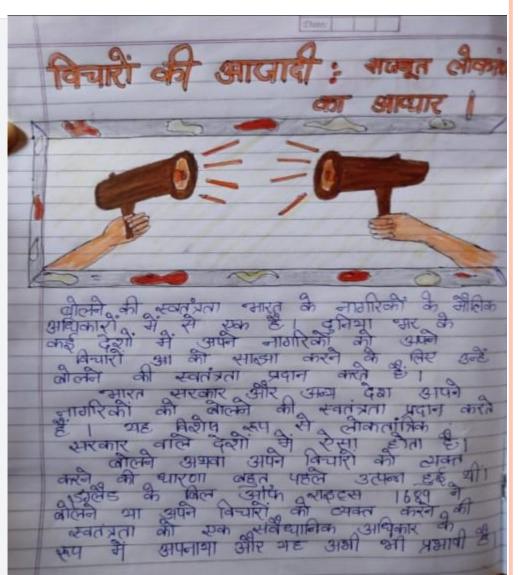
धन्यवाद

नाम - श्री निधि

कॉलेज - राम लाल आनंद महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय)







RESULT FOR ARTICLE WRITING COMPETITION







Goswami Ganesh Dutt Sanatan Dharam College, Palwal, Haryana
NAAC Accredited "A" Grade Affiliated to M.D.University, Rohtak

Result of the

NATIONAL LEVEL ARTICLE WRITING COMPETITION

Held on 4th June 2021, Organised by the SC, ST & BC CELL On *Topic*: Social Status of SC, ST & BC in India

Student Name	Institution Name	Position	
Sartaj Singh	Panjab University, Chandigarh	First	
Aman	man J .C. Bose YMCA University, Faridabad		
Sakshi	Saraswati Mahila Mahavidalaya, Palwal	Third	

<u>PATRON</u>	<u>IQAC</u>	CONVENER	ORGANIZING	TECHNICAL
	CONVENER		SECRETARY	SUPPORT
Dr.G.K.Sapra	Dr.P.K.Verma	Dr. Rajbir Singh	Dr. Meena	Sh. Pawan
(Principal)			Kumari	Mukhija